भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. †1307

सोमवार, 28 जुलाई, 2025/6 श्रावण, 1947 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

हरित और पारिस्थितिकी पर्यटन को बढ़ावा देना

†1307. श्री राजेशभाई नारणभाई चुड़ासमाः

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार हरित और पारिस्थितिकी पर्यटन को बढ़ावा देने की दिशा में कोई कदम उठा रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या विभिन्न पर्यटन स्थलों की पर्यटक क्षमता का कोई आकलन किया जा रहा है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो क्या सरकार ऐसी कोई व्यवस्था लागू करने की योजना बना रही है; और

(ग) क्या कानून-व्यवस्था और अवसंरचना संबंधी आवश्यकताओं को नियंत्रण में रखने के लिए प्रमुख पर्यटन स्थलों पर वास्तविक समय में पर्यटकों की आमद का आकलन करने के लिए कोई निगरानी तंत्र स्थापित किया गया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (ग): पर्यटन मंत्रालय विभिन्न पहलों के माध्यम से भारत का समग्र रूप में संवर्धन करता है। वर्तमान कार्यकलापों के एक भाग के रूप में, परिस्थितिकी पर्यटन और स्थायी पर्यटन को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। देश में परिस्थितिकी पर्यटन और स्थायी पर्यटन के विकास को गति प्रदान करने के लिए, पर्यटन मंत्रालय ने परिस्थितिकी पर्यटन और स्थायी पर्यटन के लिए राष्ट्रीय कार्यनीतियाँ तैयार की हैं और देश में स्थायी पर्यटन को बढ़ावा देने तथा पर्यटकों एवं पर्यटन व्यवसायों को स्थायी पर्यटन पद्धतियों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु "ट्रैवल फॉर लाइफ" कार्यक्रम शुरू किया है।

पर्यटन मंत्रालय अपनी योजनाओं के तहत देश में पर्यटन संबंधी अवसंचना के विकास के लिए राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों/केंद्रीय एजेंसियों को वित्तीय सहायता प्रदान करता है। मंत्रालय ने अपनी स्वदेश दर्शन योजना के तहत परिस्थितिकी परिपथ को एक विषयगत थीमेटिक परिपथ के रूप में चिह्नित किया है। पर्यटन मंत्रालय के प्रयासों से आंध्र प्रदेश, दिल्ली, गोवा, कर्नाटक, केरल, महाराष्ट्र, हिमाचल प्रदेश, जम्मू और कश्मीर, मध्य प्रदेश, ओडिशा, पंजाब, राजस्थान, सिक्किम और उत्तर प्रदेश की राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों ने किसी न किसी रूप में पर्यटक पुलिस तैनात की है।

****